

आज सुबह समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 22

लखनऊ, सोमवार 14 सितम्बर 2026 सा 20 सितम्बर 2026 तक

पृष्ठ—8

मूल्य : एक रुपया

भारत-चीन रिश्तों की जमी बर्फ पिघली, मोदी-जिनपिंग ने मतभेदों को विवाद न बनने देने पर दिया जोर

नई दिल्ली। ब्रिक्स सम्मेलन से इतर जिस मुलाकात और बात की सबसे ज्यादा चर्चा थी वह शाम सात बजे के करीब संपन्न हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ भारत मंडप में दोपक्षीय वार्ता की। करीब 50 मिनट चली इस मीटिंग में मोदी और जिनपिंग ने इस बात पर सहमति जताई कि मतभेदों को विवाद नहीं बनने देना चाहिए और संबंध लंबे चलने चाहिए। दोनों नेताओं के बीच सीमा विवाद, व्यापार और निवेश पर चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि दोनों देशों के संबंध 'तीन पारस्परिक सिद्धांतों, सम्मान, संवेदनशीलता और हित' से जुड़े होने चाहिए। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भारत में स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आपकी सकारात्मक टिप्पणियों के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान चीन से प्राप्त समर्थन और सहयोग के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ। अब हमारे पास दोपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने का अवसर है। इस

दोपक्षीय बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोनों देशों के रिश्तों को रणनीतिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि भारत और चीन एक दूसरे की खूबियों से



सीख कर साझा विकास की ओर बढ़ सकते हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह भी बताया कि वे प्रधानमंत्री मोदी से 29 बार मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें भारत आने का निमंत्रण उनके जन्मदिन 95 जून को मिला था। जिनपिंग ने कहा, 'हम पीएम मोदी से 29 बार मिल चुके हैं और कई महत्वपूर्ण समझौतों पर पहुंचे हैं जिन्होंने चीन व भारत संबंधों को निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर किया है। राष्ट्रपति जिनपिंग ने आगे कहा, 'चीन ने हमेशा भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा और विकसित

किया है। हालांकि, हमारे दोनों देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियां भिन्न हैं, फिर भी हम एक दूसरे की खूबियों से पूर्णतः सीख सकते हैं, एक दूसरे का समर्थन कर सकते हैं, साथ मिलकर सफलता प्राप्त कर सकते हैं और साझा विकास की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। गौरतलब है कि चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग सात साल बाद शनिवार को भारत आए। जून 2020 में गलवान में हुई झड़प के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है। जिनपिंग इससे पहले 99 अक्टूबर 2016 को भारत आए थे। 95 जून 2020 को गलवान झड़प हुई थी। इसके बाद भारत-चीन रिश्तों में तनाव बढ़ा, लेकिन कारोबार नहीं रुका। 2020-21 में चीन से भारत का आयात करीब 65 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 932 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया। इस तरह गलवान झड़प के बाद चीन से आयात दोगुना हो गया है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघली और सीमा विवाद को सुलझाने की दिशा में गंभीर पहल हुई है।

अगले 20 साल के एजेंडे पर जोर

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों के 94वें सम्मेलन की मेजबानी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भविष्य की रणनीति बनाने पर जोर दिया।

एआई, साइबरस्पेस, अंतरिक्ष और बायोटेक्नोलॉजी के नियम तय करने में विकासशील देशों की बराबर भागीदारी पर जोर दिया।



उन्होंने कहा कि सदस्य देशों को अगले 20 साल का एजेंडा बनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने इसके साथ ही अगले 20 साल के एजेंडे और अहम फैसलों पर अमल की स्थायी व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव भी दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत में सभी सदस्य देशों का स्वागत किया। उन्होंने अपने भाषण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी

प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव देते हुए कहा कि युवा राजनयिकों और नीति निर्माताओं को बातचीत और कानून की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। उन्होंने मुसीबत में फंसे नाविकों को इलाज, परिवार से संपर्क और सुरक्षित निकालने के लिए देशों के बीच नेटवर्क बनाने की बात भी कही। मोदी ने कहा, 'दुनिया का भविष्य साझा है तो उसे तय करने का अधिकार भी सभी देशों के पास होना चाहिए'।

लोहिया संस्थान को सीएम योगी की सौगात, ऑर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट और 80 बेड के वार्ड का लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस में शामिल होने पहुंचे हैं। इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने संस्थान में कई सुविधाओं की सौगात दी है। उन्होंने आर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट का लोकार्पण किया है। इसके साथ ही उन्होंने 80 बेड के नये वार्ड का भी लोकार्पण किया है। दरअसल, रविवार को लोहिया संस्थान का छठा स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हल में किया गया है। शाम 8 बजे शुरू हुये इस कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल हुये, उनके साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोहिया संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे मददगार संस्थान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान राज्य में साढ़े नौ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। यह एक बड़ी संख्या है और कोई व्यक्ति यह नहीं कह सकता है कि उसकी नियुक्ति में कोई भेदभाव हुआ है या किसी प्रकार का कोई लेनदेन हुआ है।" आदित्यनाथ ने दावा किया कि राज्य में कुल 96 लाख सरकारी कर्मचारी हैं, जिनमें साढ़े नौ लाख उनके कार्यकाल में नियुक्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब नियुक्ति की पारदर्शिता है तो राज्य की प्रगति भी सही दिशा में आगे बढ़ेगी। हमने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने में सफलता प्राप्त की है। उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय तीन गुना बढ़ी है और अब यहां के नागरिकों के सामने पहचान का संकट नहीं है। सीएम ने कहा कि नियुक्ति की प्रक्रिया जितनी पारदर्शी होगी परिणाम उतना ही हमारे लिए फलदायी होगा। अगर हम अच्छे लोगों का चयन नहीं

करेंगे, चयन की प्रक्रिया में विसंगतियां होंगी, भेदभाव होगा, पारदर्शिता-शुचिता का अभाव होगा तो जीवन भर उस पूरे संस्थान को कीमत चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल और आयुर्विज्ञान



संस्थान के एक होने और पूर्व में आने वाली शिकायतों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से यहां की शिकायत कम आती हैं।" उन्होंने कहा कि यहां के लिए पैसा देने में परेशानी नहीं होती थी, लेकिन हमें शिकायत सुनते सुनते परेशानी जरूर होती थी। उनसे मुक्ति मिली और यह मुक्ति तब मिलती है जब जनता में संतुष्टि होती है। संस्थान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा

कि यह 20 बिस्तरों का एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनकर रहने वाला अस्पताल आज उत्तर प्रदेश के एक बेहतरीन स्वास्थ्य व शिक्षा का केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में स्वास्थ्य क्षेत्र समेत हर क्षेत्र में प्रगति हुई है। समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि छह वर्षों में इस संस्थान के प्रति लोगों की धारणा बदली है। उन्होंने कहा कि संस्थान का नाम एक दिन पूरी दुनिया में होगा और दावा किया कि इसकी प्रगति देखकर लगता है कि एक दिन नोबेल पुरस्कार भी मिलेगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि आज का युवा पूरी दुनिया को मुठ्ठी में देखना चाहता है और यहां के युवा एक नया रास्ता दिखाएंगे। यह संस्थान छह सालों में बहुत आगे बढ़ा है और आने वाले छह सालों में और आगे जाएगा। उन्होंने 2019 के पहले की पूर्ववर्ती सरकारों पर ठेका-पट्टा संस्कृति में लिप्त रहने का आरोप लगाते हुए दावा

किया कि भाजपा का कोई कार्यकर्ता ठेका-पट्टा में संलिप्त नजर नहीं आएगा। संस्थान के छठवें स्थापना दिवस समारोह में निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने कहा कि गंभीर दुर्घटना और आघात के मरीजों के उपचार की क्षमता बढ़ाने की दिशा में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान (आरएमएल) ने बड़ा कदम बढ़ाया है। संस्थान में 9090 बेड के नए अस्पताल के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है। वहीं, शहीद पथ से लगी करीब 8.5 एकड़ जमीन पर प्रदेश का दूसरा लेवल-9 ट्रॉमा सेंटर स्थापित किया जाएगा। जमीन की रजिस्ट्री के बाद इसके निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर एलडीए ने ट्रॉमा सेंटर के लिए जमीन देने की मंजूरी दी है। लेवल-9 ट्रॉमा सेंटर शुरू होने के बाद गंभीर सड़क हादसों और अन्य जटिल चोटों के मरीजों को उच्चस्तरीय उपचार उपलब्ध हो सकेगा।

सम्पादकीय

मोदी-जिनपिंग वार्ता से भारत-चीन संबंधों में नई उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बातचीत ने भारत-चीन संबंधों में स्थिरता और संवाद के एक नए दौर की उम्मीद जगाई है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली आए शी जिनपिंग की प्रधानमंत्री मोदी के साथ यह तीन वर्षों में तीसरी मुलाकात थी। वर्ष २०२० में गलवान की हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्तों में पैदा हुए गहरे अविश्वास और तनाव के बीच इन लगातार हो रही उच्चस्तरीय मुलाकातों का अपना कूटनीतिक महत्व है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि संवाद की इस प्रक्रिया ने दोनों देशों के संबंधों को पूरी तरह सामान्य भले न किया हो, लेकिन उन्हें एक ऐसे रास्ते पर जरूर ला दिया है, जहां टकराव के बजाय बातचीत को प्राथमिकता मिल रही है। दरअसल, भारत और चीन के रिश्तों में आई जमी बर्फ पिघलने की शुरुआत वर्ष २०२४ में रूस के कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात से हुई थी। इसके बाद शंघाई सहयोग संगठन के चीन के तियानजिन शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति ने संबंधों को और आगे बढ़ाया। अब नई दिल्ली में हुई ताजा बातचीत ने इस प्रक्रिया को अग्रेजित कर दिया है। यह क्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देशों के बीच संवाद जितना लंबा बाधित रहता है, गलतफहमियों और अविश्वास के गहराने की आशंका उतनी ही बढ़ती है। नई दिल्ली की वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने जिस बात पर विशेष जोर दिया, वह भारत-चीन संबंधों की भविष्य की दिशा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सीमा पर शांति और स्थिरता। भारत का स्पष्ट संदेश है कि सीमा पर तनाव के रहते द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य गति नहीं दी जा सकती। आर्थिक और कारोबारी संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ आपसी विश्वास बहाली के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखना अनिवार्य है। यही वह बुनियादी शर्त है, जिसके आधार पर दोनों देशों के बीच व्यापक और दीर्घकालिक सहयोग की इमारत खड़ी की जा सकती है। चीन की ओर से भी संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टि से देखने की बात कही गई है। शी जिनपिंग का यह कहना कि भारत और चीन एक-दूसरे की खूबियों से सीख सकते हैं, एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं और साझा विकास की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं, सुनने में सकारात्मक है। लेकिन ऐसे बयानों की वास्तविक उपयोगिता तभी सिद्ध होगी, जब वे जमीन पर भी दिखाई दें। भारत के लिए सीमा पर शांति केवल एक कूटनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि द्विपक्षीय संबंधों के पूरे ढांचे की आधारशिला है। चीन यदि वास्तव में भारत के साथ स्थिर और दीर्घकालिक संबंध चाहता है तो उसे इस संवेदनशीलता को समझना होगा। भारत और चीन के बीच संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम आर्थिक भी है। गलवान की घटना के बाद राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर तनाव बढ़ा, लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापार नहीं रुका। इसके विपरीत चीन से भारत का आयात पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है। यह स्थिति अपने आप में बताती है कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से किस हद तक जुड़ी हुई हैं। हालांकि व्यापार बढ़ाना अपने आप में द्विपक्षीय संबंधों के बेहतर होने का प्रमाण नहीं है। व्यापार के साथ संतुलन, निवेश, तकनीक, बाजार तक पहुंच और भरोसे का वातावरण भी जरूरी है। इसीलिए भारत को चीन के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाते समय अपने रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों के प्रति सजग रहना होगा। चीन के साथ सहयोग के अवसरों का लाभ उठाना जरूरी है, लेकिन इसके लिए सुरक्षा संबंधी चिंताओं और आर्थिक निर्भरता के संभावित जोखिमों की अनदेखी नहीं की जा सकती। संबंधों में स्थिरता का अर्थ यह नहीं कि भारत अपने हितों से समझौता करे। बल्कि स्थिर संबंधों का अर्थ यही होना चाहिए कि दोनों देश अपने मतभेदों को स्वीकार करते हुए उन्हें नियंत्रित करने और विवाद में बदलने से रोकने की क्षमता विकसित करें। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-चीन संबंधों को सम्मान, संवेदनशीलता और पारस्परिक हित के सिद्धांतों से जोड़ने की बात कहकर इसी संतुलित दृष्टिकोण को रेखांकित किया है। दोनों देशों के बीच मतभेद हैं और वे छोटे नहीं हैं। सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन, सामरिक प्रतिस्पर्धा तथा क्षेत्रीय प्रभाव जैसे मुद्दे भविष्य में भी बने रह सकते हैं। लेकिन किसी भी दो बड़े देशों के संबंधों में मतभेद होना असामान्य नहीं है। असली चुनौती यह है कि मतभेदों को किस तरह प्रबंधित किया जाए ताकि वे संघर्ष का रूप न ले सकें। नई दिल्ली में मोदी और जिनपिंग की बातचीत ने इस दिशा में उम्मीद जरूर जगाई है। अब इस उम्मीद को वास्तविक प्रगति में बदलने की जिम्मेदारी दोनों देशों पर है। सीमा पर शांति, व्यापार में संतुलन, आपसी विश्वास और नियमित संवादें यही वे चार आधार हैं, जिन पर भारत-चीन संबंधों को भविष्य में टिकाऊ और स्थिर बनाया जा सकता है। रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने लगी है, लेकिन इसे स्थायी गर्माहट में बदलने के लिए दोनों देशों को शब्दों से आगे बढ़कर व्यवहार में भी भरोसा कायम करना होगा।

ब्रिक्स में सहमति से मजबूत हुई भारतीय कूटनीति

राकेश पाण्डेय “ निश्चल”

ब्रिक्स के १८वें शिखर सम्मेलन में साझा बयान पर सहमति बन जाना निस्संदेह इसकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि समूह में शामिल देशों के राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक हितों में पर्याप्त भिन्नता है। ऐसे समय में, जब दुनिया कई मोर्चों पर युद्ध और तनाव से गुजर रही है, अलग-अलग ध्रुवों पर खड़े देशों को एक साझा वक्तव्य के लिए तैयार करना आसान काम नहीं था। इस लिहाज से सम्मेलन की मेजबानी कर रहे भारत की कूटनीतिक क्षमता और संवाद-साधने की भूमिका की सराहना की जानी चाहिए। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के युद्ध में अलग-अलग पक्षों के साथ खड़े ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों को एक साझा वक्तव्य पर सहमत कराना भारतीय कूटनीति के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह बताता है कि भारत ने ब्रिक्स में किसी एक पक्ष के पक्षधर के रूप में नहीं, बल्कि संवाद और सहमति के बीच सेतु की भूमिका निभाने की कोशिश की। मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यही संतुलित कूटनीति उसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का आधार बन सकती है। हालांकि नई दिल्ली घोषणापत्र की भाषा को लेकर यह कहा जा सकता है कि वह अपेक्षाओं नरम है। कई संवेदनशील और विवादित मुद्दों पर प्रत्यक्ष एवं कठोर शब्दों से बचते हुए संतुलित भाषा का इस्तेमाल किया गया है। लेकिन इसे इसकी कमजोरी मानना उचित नहीं होगा। बहुपक्षीय मंचों पर जहां सदस्य देशों के हित और दृष्टिकोण एक-दूसरे से काफी अलग हों, वहां किसी एक मुद्दे पर कठोर शब्दों के बजाय व्यापक सहमति कायम करना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। घोषणापत्र की असली उपलब्धि इसी सहमति में निहित है। नई दिल्ली घोषणापत्र में एकतरफा जबरन कार्रवाई की निंदा, टैरिफ के माध्यम से मुक्त व्यापार को बाधित करने वाले कदमों की आलोचना, गाजा में फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन का विरोध, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के ढांचे में सुधार का समर्थन, आपसी व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल की दिशा में आगे बढ़ने का इरादा तथा विकासशील देशों के बीच सहयोग जैसे मुद्दों का उल्लेख यह स्पष्ट करता है कि ब्रिक्स वैश्विक व्यवस्था को लेकर अपनी एक अलग आवाज विकसित करने की कोशिश कर रहा है। यह आवाज अभी पश्चिमी नेतृत्व वाली वैश्विक व्यवस्था का पूर्ण विकल्प नहीं है, लेकिन इतना जरूर है कि ब्रिक्स के देश मौजूदा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और राजनीतिक ढांचे में अपने हितों के लिए अधिक स्थान की मांग

कर रहे हैं। खासकर विकासशील देशों के लिए वित्त, व्यापार, निवेश और विकास के अवसरों को अधिक न्यायपूर्ण बनाने की मांग इस समूह के एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती जा रही है। इसी संदर्भ में ब्रिक्स के न्यू डेवलपमेंट बैंक को मजबूत करने और सदस्य देशों की विकास परियोजनाओं में उसकी भूमिका बढ़ाने पर बनी सहमति का दूरगामी महत्व है। किसी भी बहुपक्षीय समूह की वास्तविक ताकत केवल घोषणाओं में नहीं, बल्कि ऐसी संस्थागत व्यवस्थाओं में होती है जो सदस्य देशों को आर्थिक और वित्तीय स्तर पर ठोस लाभ पहुंचा सकें। यदि न्यू डेवलपमेंट बैंक विकासशील देशों के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रभावी माध्यम बनता है तो ब्रिक्स की



उपयोगिता और विश्वसनीयता दोनों बढ़ेंगी। दरअसल, ब्रिक्स की सबसे बड़ी संभावनाओं में से एक यही है कि वह विकासशील और गरीब देशों के बीच आर्थिक, वित्तीय और बुनियादी ढांचे के विकास में व्यावहारिक सहयोग का आधार तैयार कर सकता है। वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों की सीमित भूमिका और ऋण तथा विकास वित्त की बढ़ती जरूरत के बीच ऐसे वैकल्पिक संस्थागत प्रयासों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। हालांकि इसके लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी। सदस्य देशों को पूंजी, परियोजनाओं, तकनीक और वित्तीय सहयोग के स्तर पर ठोस परिणाम देने होंगे। ब्रिक्स की एक बड़ी चुनौती उसकी आंतरिक विविधता भी है। इस समूह में शामिल देशों के बीच कोई एक जैसी विचारधारात्मक या रणनीतिक साझेदारी नहीं है। कई मुद्दों पर उनके हित एक-दूसरे से टकराते हैं। कहीं वे आर्थिक साझेदार हैं तो कहीं रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी। कई बार एक सदस्य देश की प्राथमिकता दूसरे सदस्य देश के हितों के विपरीत दिखाई देती है। ऐसी स्थिति में समूह के भीतर मतभेद पैदा होना और उसकी निर्णय प्रक्रिया के धीमे पड़ने की आशंका स्वाभाविक है। फिर भी, पिछले करीब दो दशकों का अनुभव यह बताता है कि इन अंतर्विरोधों के बावजूद ब्रिक्स ने आर्थिक और वित्तीय सहयोग के लिए एक उपयोगी मंच तैयार किया है। यह सहयोग अभी उस स्तर पर नहीं पहुंचा है जहां इसे मौजूदा वैश्विक व्यवस्था का समानांतर ढांचा कहा जा सके, लेकिन इसकी दिशा निश्चित रूप से उस ओर बढ़ती

दिखाई देती है। नई दिल्ली सम्मेलन ने इसी संभावना को एक बार फिर सामने रखा है। इस पूरे परिणाम में भारत और चीन के संबंधों में आई नरमी का भी विशेष महत्व है। ब्रिक्स की प्रगति के लिए इन दोनों प्रमुख देशों के बीच तनाव का कम होना आवश्यक है। भारत और चीन यदि लगातार रणनीतिक टकराव की स्थिति में रहते हैं तो ब्रिक्स के भीतर भी सहयोग की संभावनाएं प्रभावित होंगी। इसके विपरीत दोनों देश अपने मतभेदों को नियंत्रित करते हुए आर्थिक और बहुपक्षीय मुद्दों पर सहयोग बढ़ाते हैं तो इसका लाभ पूरे समूह को मिल सकता है। यही कारण है कि हाल के महीनों में भारत-चीन संबंधों में दिखाई दे रही नरमी को केवल द्विपक्षीय घटनाक्रम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसका असर व्यापक वैश्विक दक्षिण और ब्रिक्स की भूमिका पर भी पड़ सकता है। दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ना इस समूह को अधिक प्रभावी और संतुलित बनाने में मदद कर सकता है। नई दिल्ली शिखर सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसने ब्रिक्स की सीमाओं के साथ-साथ उसकी संभावनाओं को भी सामने रखा है। साझा घोषणापत्र पर सहमति, संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण और न्यू डेवलपमेंट बैंक को मजबूत करने का संकल्प इस बात के संकेत हैं कि समूह केवल राजनीतिक विमर्श का मंच बनकर नहीं रहना चाहता। वह आर्थिक और वित्तीय सहयोग की ऐसी संस्थागत जमीन तैयार करने की कोशिश कर रहा है, जो विकासशील देशों के लिए उपयोगी साबित हो सके। हालांकि आगे की राह आसान नहीं है। ब्रिक्स को अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए घोषणाओं को ठोस नीतियों और परियोजनाओं में बदलना होगा। सदस्य देशों के बीच मतभेदों को प्रबंधित करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि समूह किसी एक देश या किसी एक राजनीतिक धड़े का मंच न बन जाए। इसकी सफलता इसी में होगी कि विविध हितों के बावजूद साझा हितों का विस्तार किया जाए। नई दिल्ली सम्मेलन से यह उम्मीद जरूर जगी है कि ब्रिक्स आने वाले वर्षों में वैश्विक दक्षिण की अधिक प्रभावी आवाज बन सकता है। इसके लिए भारत की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। संवाद, संतुलन और सहमति की जिस कूटनीति के साथ भारत ने इस सम्मेलन को आगे बढ़ाया है, वही आगे भी इसकी सबसे बड़ी ताकत हो सकती है। नई दिल्ली में मिली सहमति केवल एक घोषणापत्र की सफलता नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में विकासशील देशों के लिए एक अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय भविष्य की संभावनाओं का संकेत है।

इतिहास पढ़ने के साथ देखेंगे भी विद्यार्थी, ‘एक दिवसीय अध्ययन यात्रा’ से संग्रहालयों से जुड़ेंगे छात्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार अब जेन जी को किताबों से आगे ले जाकर अपनी जड़ों, इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने की तैयारी में है। इसके लिए राजकीय संग्रहालयों और विद्यार्थियों को ‘एक दिवसीय अध्ययन यात्रा योजना’ के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। पहल की शुरुआत लखनऊ स्थित राज्य संग्रहालय से हुई, जहां लखनऊ जनपद के पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर क लेज, माल और पीएम श्री राजकीय उत्तर प्रदेश सैनिक इंटर कॉलेज, सरोजनीनगर के करीब ६०० छात्र-छात्राओं ने शैक्षिक भ्रमण किया। संग्रहालय में ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से देखने और उनके बारे में जानने को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखाई दिया। अब १५ सितंबर को उन्नाव के तीन पीएम श्री विद्यालयों के विद्यार्थी राज्य संग्रहालय आएंगे। वहीं १६ और १७ सितंबर को सीतापुर के सात पीएम श्री विद्यालयों के करीब ३००० विद्यार्थी संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। योजना के तहत १८ सितंबर को रायबरेली जिले के पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पीएम श्री राजकीय इंटर क लेज, पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर क लेज बछरावां और पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज डीह के विद्यार्थी लखनऊ में शैक्षिक भ्रमण

करेंगे। इसके बाद १९ सितंबर को बाराबंकी के पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज सूरतगंज, पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर क लेज हैदरगढ़, पीएम श्री राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरौलीजाटा, पीएम श्री



राजकीय बालिका इंटर क लेज फतेहपुर, पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जैदपुर मोड़ और पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज बाराबंकी के विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। संसति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ‘एक दिवसीय अध्ययन यात्रा योजना’ के तहत पीएम श्री राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा ६ से १२ तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अपने जिले या आसपास के जिले में स्थित संस्कृति विभाग से जुड़े संग्रहालयों का भ्रमण कराया जाएगा। विद्यार्थियों को संग्रहालयों में निःशुल्क प्रवेश,

आवश्यक सहयोग और गाइडेड विजिट की सुविधा मिलेगी। इसका उद्देश्य संग्रहालयों को सिर्फ देखने की जगह तक सीमित न रखकर उन्हें विद्यार्थियों के लिए कक्षा से आगे सीखने की जीवंत प्रयोगशाला के रूप में विकसित करना है। यहां विद्यार्थी प्रदेश की



ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देख सकेंगे और उसके महत्व को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। अध्ययन यात्रा के दौरान होने वाली गतिविधियों की जियो-टैग फोटो और वीडियो राज्य परियोजना कार्यालय को ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे विद्यार्थियों की भागीदारी और संग्रहालय भ्रमण से जुड़ी गतिविधियों का रिकॉर्ड भी तैयार होगा। योजना का लाभ प्रदेश के ५७ जिलों के विद्यालयों के विद्यार्थियों को मिलेगा। इनमें आगरा, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, आजमगढ़, अयोध्या, बहराइच,

बांदा, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, भदोही, बिजनौर, बदायूं, बुलंदशहर, चंदौली, चित्रकूट, देवरिया, इटावा, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गोंडा, गोरखपुर, हमीरपुर, हरदोई, जालौन, झांसी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, मैनपुरी, मथुरा, मेरठ, मिर्जापुर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संभल, सहारनपुर, संत कबीरनगर, शाहजहांपुर, सीतापुर, सोनभद्र, सुल्तानपुर, उन्नाव और वाराणसी शामिल हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ इतिहास, कला, संस्कृति और विरासत से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है।

संग्रहालयों में रखे पुरावशेष, मूर्तियां, सिक्के, चित्र और अन्य ऐतिहासिक साक्ष्य विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों में पढ़ी जानकारी को सामने से देखने, समझने और अनुभव करने का अवसर देंगे। इससे पढ़ाई को अधिक रोचक और अनुभव आधारित बनाने के साथ विद्यार्थियों में इतिहास के प्रति जिज्ञासा भी बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश संग्रहालय निदेशालय, लखनऊ की ओर से प्रदेश के संग्रहालयों और वहां कार्यरत अधिकारियों की सूची भी



उपलब्ध कराई गई है, ताकि विद्यालय अपने विद्यार्थियों के लिए अध्ययन यात्रा की योजना आसानी से बना सकें। संबंधित विद्यालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यार्थियों को एक दिवसीय अध्ययन यात्रा के तहत नजदीकी संग्रहालय का भ्रमण कराया जाए। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संसति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि इस पहल से प्रदेश के अलग-अलग जिलों के हजारों विद्यार्थियों को अपने आसपास मौजूद ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों से जुड़ने का

अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यह पहल नई पीढ़ी में अपनी विरासत को लेकर समझ और गर्व की भावना मजबूत करने के साथ संग्रहालयों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। किताबों में पढ़े इतिहास को जब विद्यार्थी संग्रहालयों में मौजूद वास्तविक धरोहरों के माध्यम से देखेंगे, तो उनके लिए सीखने का अनुभव अधिक रोचक, यादगार और प्रभावी होगा।

नीम करौली बाबा की भक्ति में रंगीं अपर्णा यादव, गुनगुनाया ‘हनुमान अंश’ का गीत, बटोरी तालियां

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा महिला उपाध्यक्ष अपर्णा यादव का अलग अंदाज देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नीम करौली बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म ‘हनुमान अंश’ का भक्ति गीत गाया। अपर्णा यादव ने जैसे ही गीत की प्रस्तुति शुरू की, वहां मौजूद लोगों का ध्यान उनकी ओर खिंच गया। गाना खत्म होते ही पूरा कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। अपर्णा यादव ने फिल्म में शामिल भक्ति गीत ‘जब जिद पे आ गई पार्वती, समझाने पहुंचे सप्तऋषि...’ को अपने अंदाज में पेश किया। भक्ति से जुड़े इस गीत की प्रस्तुति के दौरान उनका आध्यात्मिक जुड़ाव भी नजर आया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनकी प्रस्तुति की सराहना की। नीम करौली बाबा के जीवन पर बनी फिल्म ‘हनुमान अंश’ इन दिनों चर्चा में है। फिल्म की स्टारकास्ट उत्तर प्रदेश के दौरे पर है। इसी सिलसिले में फिल्म की टीम ने लखनऊ में अपर्णा यादव

से मुलाकात की थी। कुछ दिन पहले फिल्म के प्रमोशन के दौरान ‘हनुमान अंश’ की पूरी टीम अपर्णा यादव के आवास पर पहुंची थी। इस दौरान अपर्णा यादव ने फिल्म में नीम करौली बाबा की भूमिका निभाने वाले अभिनेता शोभिनव सत्या को तिलक लगाया था।



उन्होंने पूरी टीम का तिलक कर स्वागत किया और भजन भी गुनगुनाया था। फिल्म के निर्देशक एवं निर्माता डॉ. विशाल चतुर्वेदी समेत पूरी टीम की अपर्णा यादव ने जमकर तारीफ की थी। अपर्णा यादव ने कहा था कि ‘हनुमान अंश’ के कलाकारों और निर्देशक-निर्माता डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने अच्छी और प्रेरक रचना के जरिए लोगों को धर्म की ओर अग्रसर करने का प्रयास किया है।

उन्होंने लोगों से फिल्म देखने की अपील भी की। उन्होंने बताया कि नीम करौली बाबा के प्रति उनके परिवार की आस्था रही है और इस कहानी से उनका अलग तरह का जुड़ाव है। अपर्णा यादव ने फिल्म में बाबा का किरदार निभाने वाले अभिनेता शोभिनव सत्या के साथ अपने पुराने संबंध का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि शोभिनव सत्या ने उनके एक ब्रांड का पहला विज्ञापन डायरेक्ट और डिजाइन किया था। अपर्णा यादव ने अपने पति प्रतीक यादव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रतीक यादव ने अपने स्पोर्ट्स करियर को आगे बढ़ाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी बेटियां भी अपने पिता के सपने को आगे बढ़ाएंगी और उसे पूरा करेंगी। अपर्णा यादव ने यह भी बताया कि नीम करौली बाबा में उनकी लंबे समय से रुचि और आस्था रही है। वह अपनी बेटी के साथ पहले ही ‘हनुमान अंश’ फिल्म देख चुकी हैं।

घर में अकेली ६५ वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत, भतीजे ने जताई गला दबाकर हत्या की आशंका

सुलतानपुर। यूपी के सुलतानपुर में हलियापुर थाना क्षेत्र के रामपुर बबुआन गांव में रविवार को घर में अकेली रह रही ६५ वर्षीय पियारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव घर के अंदर बिस्तर पर मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के भतीजे ने गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। गौरतलब है कि मृतका पियारी निःसंतान थीं। उनके पति रामकिशोर की कुछ दिन पहले ही मौत हुई थी। इसके बाद वह घर में अकेली रह रही थीं। उनकी मौत की खबर परिजनों को फोन के जरिए मिली। पियारी के भतीजे संजय कुमार के अनुसार सुबह एक व्यक्ति ने फोन कर उनकी मौत की जानकारी दी। घर पहुंचने पर उन्होंने शव देखा। उनका दावा है कि पियारी की नाक में कील नहीं थी और गले पर कालेपन के साथ दबाव जैसा निशान दिखाई दे रहा था। इसी आधार पर उन्होंने गला

दबाकर हत्या की आशंका जताई है। ग्रामीणों के बीच पियारी की करीब चार बीघा जमीन को लेकर विवाद की चर्चा है। हालांकि जमीन विवाद और मौत के बीच संबंध की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस



सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की, लेकिन शरीर पर चोट के कोई स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी और उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ईरान और यूएई के नेता मिले

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और चीन व रूस के राष्ट्रपतियों शी जिनपिंग व व्लादिमीर पुतिन का एक मंच पर आना हाईलाइट था तो एक दूसरी खास बात ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद की मुलाकात थी। गौरतलब है कि ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई पर हमले किए थे। हालांकि पिछले कुछ समय से ईरान ने हमले रोक दिए हैं। तभी दोनों देशों के नेताओं की मुलाकात को अहम माना जा रहा है। दोनों

नेताओं ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने पर बात की। उन्होंने क्षेत्र में शांति



और स्थिरता के लिए मिलकर काम करने पर भी जोर दिया। पेजेशकियान ने अमेरिका की निंदा करते हुए कहा कि मध्य पूर्व को अमेरिकी पुलिसिंग की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा

की जिम्मेदारी यहां के देशों की ही होनी चाहिए। गौरतलब है कि ईरान और यूएई पिछले कुछ सालों से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में यह मुलाकात तनाव के बीच दोनों देशों के बातचीत का रास्ता खुला रखने का संकेत है। मसूद पेजेशकियान ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की। भारत के दौरे पर आए विश्व नेताओं में वे इकलौते हैं, जिनकी मुलाकात राष्ट्रपति से हुई। इससे पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी दोपक्षीय वार्ता हुई थी। दोनों नेता कुछ दिन पहले ही एससीओ सम्मेलन के दौरान बिश्केक में मिले थे।

ब्रिक्स ने सुरक्षा परिषद में भारत-ब्राजील की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का किया समर्थन

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों ने संयुक्त राष्ट्र और उसकी सुरक्षा परिषद में भारत और ब्राजील की बड़ी भूमिका का समर्थन किया है। भारत और ब्राजील लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी कर रहे हैं। चीन और रूस ने सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के रूप में भारत और ब्राजील की इस आकांक्षा के लिए अपना समर्थन दोहराया है। शनिवार को यहां भारत की मेजबानी और अध्यक्षता में आयोजित दो दिन के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपनाये गए दिल्ली घोषणा पत्र में कहा गया है कि ब्रिक्स देशों ने संयुक्त राष्ट्र में व्यापक सुधार का समर्थन करते हुए सुरक्षा परिषद को अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधित्वपूर्ण, प्रभावी और सक्षम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों

की भागीदारी बढ़ाने और वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने की बात कही। वर्ष २०२२ की बीजिंग और २०२३ की जोहान्सबर्ग-II नेताओं की घोषणाओं का उल्लेख करते हुए



चीन और रूस ने, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के रूप में, भारत और ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षाओं के लिए अपना समर्थन दोहराया। सदस्य देशों ने २०२३ के जोहान्सबर्ग-II नेताओं की घोषणा

का उल्लेख करते हुए संयुक्त राष्ट्र में सुधार के प्रति अपना समर्थन दोहराया। इसमें सुरक्षा परिषद भी शामिल है। ब्रिक्स ने कहा कि परिषद में विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि वह मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सके और अफ्रीका, एशिया तथा लैटिन अमेरिका के उभरते और विकासशील देशों की अंतरराष्ट्रीय मामलों में, खासकर संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में, बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षाओं को समर्थन मिल सके। ब्रिक्स देशों ने अफ्रीकी देशों की वैध आकांक्षाओं को भी स्वीकार किया, जो एजुलविनी सहमति और सितें घोषणा में व्यक्त की गई हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार से वैश्विक दक्षिण की आवाज मजबूत होनी चाहिए।

यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने अहम जलडमरूमध्य में

नई दिल्ली। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार पर स्थित एक रणनीतिक द्वीप पर कब्जा कर लिया है जिससे ईरान युद्ध में एक नया मोर्चा खुल गया है और सऊदी अरब की ओर से होने वाले तेल निर्यात पर संकट और बढ़ गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास कई वर्षों में अपना सबसे बड़ा क्षेत्रीय विस्तार किया है। यह दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। इस घटनाक्रम से ईरान को अमेरिका पर दबाव बढ़ाने के लिए दुनिया में तेल और गैस की कीमतें बढ़ाने की अपनी रणनीति को आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इस बीच, सऊदी अरब ने कहा कि उसने उसकी एक पाइपलाइन पर हमले के एक दिन बाद उसे बंद कर

दिया। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कदम “एहतियाती उपाय” के तौर पर उठाया गया है। सऊदी विदेश मंत्रालय ने पाइपलाइन पर हमले



के लिए इराक से आए कई ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया। सरकारी ‘सऊदी प्रेस एजेंसी’ में प्रकाशित एक बयान में सऊदी अरब ने कहा कि वह हमले का जवाब नहीं देगा, ताकि इराकी सरकार को “जरूरी कदम उठाने का अवसर” दिया

जा सके। इराक की सरकार ने हमले की निंदा की और जांच के आदेश दिए। सऊदी अरब और अमेरिका ने जुलाई में इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया पर बमबारी की

थी। उन पर सऊदी तेल प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमलों का आरोप लगाया गया था, जिसकी जिम्मेदारी हूती विद्रोहियों ने ली थी। क्षेत्रीय अधिकारियों ने ‘एपी’ को बताया कि हूतियों ने ‘इराकी मिलिशिया’ को हमलों की योजना बनाने और उन्हें

चुनाव आयोग से मिले टीएमसी के दोनों गुट के नेता

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों रेजीनगर और नंदीग्राम पर उपचुनाव की घोषणा के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। चुनाव में नामांकन की अवधि समाप्त होने से पहले तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिन्ह का विवाद सुलझाने के लिए चुनाव आयोग ने पार्टी के दोनों खेमों के नेताओं को बुलाया था। ऋतव्रत बनर्जी और ममता बनर्जी दोनों गुट के नेताओं ने आयोग के सामने अपना पक्ष रखा। शनिवार को पहले ऋतव्रत बनर्जी गुट ने चुनाव आयोग के सामने मौखिक दलीलें दीं और सवालों के जवाब दिए। आयोग ने उनसे दिन खत्म होने से पहले अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने को कहा। गौरतलब है कि छह अक्टूबर को रेजीनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। उससे पहले नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख १६ सितंबर है। दलबदल करने वाला गुट उससे पहले चुनाव

चिन्ह पर फैसला चाहता है। बहरहाल, शनिवार को ही ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के प्रतिनिधि भी चुनाव आयोग से मिले। उनके पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में डेरेक ओ’ब्रायन,



कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष, साकेत गोखले और वकील अभिनव सिंह शामिल थे। उन्होंने अपने को असली तृणमूल कांग्रेस बताते हुए नाम और चुनाव चिन्ह पर अपना दावा किया। अगर १६ सितंबर तक चुनाव आयोग किसी एक गुट को मान्यता नहीं देता है, तो दोनों गुटों के उम्मीदवारों को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ना पड़ सकता है। चुनाव आयोग पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह जब्त कर सकता है।

कई राज्यों में बारिश से बड़ा नुकसान

नई दिल्ली। उत्तराखंड से लेकर छत्तीसगढ़ तक भारी बारिश से कई इलाकों में बड़ा नुकसान हुआ है। इसके अलावा बिहार सहित कई राज्यों में बाढ़ के हालात बने हैं, जिससे आम लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। उत्तराखंड में भारी बारिश से पिथौरागढ़ के कुलागाड़ नाले पर बना १७० फीट लंबा बैली ब्रिज पानी तेज बहाव में बह गया। इससे चीन सीमा से लगी व्यास, दारमा और चौदांस घाटियों का संपर्क टूट गया है। बताया गया है कि यह पुल २७ अगस्त को ही बनाया गया था। पुराना पुल १८ अगस्त को चट्टान गिरने से टूट गया था। उधर

छत्तीसगढ़ में भी लगातार बारिश हो रही है। इससे जांजगीर चांपा में हसदेव नदी के तेज बहाव में क लेज के तीन छात्र बह गए। शनिवार को एक छात्र का शव मिला। तीनों शुक्रवार को बिलासपुर के चौकसे क लेज के आठ छात्र छात्राओं के साथ पिकनिक मनाने



देवरी गांव पहुंचे थे। नदी किनारे सेल्फी के दौरान एक छात्र का पैर फिसला, उसे बचाने के लिए कूदे दो अन्य छात्र भी बह गए। बिहार में बाढ़ का खतरा अब भी कम नहीं हो रहा है। बारिश और नेपाल से आए पानी की वजह से आठ नदियां उफान पर हैं और १५ जिलों में करीब ५० लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा सहित उसकी सारी सहयोगी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उत्तर प्रदेश में भी २६ जिले बाढ़ की चपेट में हैं और पांच लाख के करीब आबादी इससे प्रभावित है। इस बीच मध्य प्रदेश और राजस्थान में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित कई जिलों में अच्छी बारिश हुई है। दमोह के निचले इलाके में पानी भर जाने की खबर है। राजस्थान के २६ जिलों में मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई है। इससे पहले शुक्रवार को राजस्थान के अलवर, सवाई माधोपुर, दौसा में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया था।

द्वीप पर कब्जा किया

अंजाम देने में मदद की थी। अस्सी के दशक में बनाई गई ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन ने ईरान युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के बाद सऊदी अरब की तेल निर्यात क्षमता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, जून की शुरुआत तक सऊदी अरब ने पाइपलाइन के अंतिम छोर पर स्थित लाल सागर के बंदरगाह से तेल निर्यात दोगुने से अधिक बढ़ाकर ५० लाख बैरल प्रतिदिन से ज्यादा कर दिया था। हूती विद्रोहियों द्वारा मायून नामक छोटे और बंजर ज्वालामुखीय द्वीप पर कब्जे की पुष्टि यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और हूती अधिकारी ने की। इस द्वीप को पेरिम के नाम से भी जाना जाता है और यह जलडमरूमध्य के भीतर स्थित है।

राहुल ने शिक्षा सुधार के लिए सुझाव मांगे

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव मांगे हैं। उन्होंने छात्रों के साथ साथ अभिभावकों से भी सलाह देने को कहा है। राहुल ने ये सलाह अ नलाइन मांगी है। गौरतलब है कि १६ सितंबर को वे मध्य प्रदेश के इंदौर में छात्रों गूज कार्यक्रम में शामिल होंगे। उससे पहले उन्होंने शिक्षा सुधार पर सलाह मांगी है। राहुल गांधी ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पूरी पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था।

उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ गया है? उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था



में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों

और शिक्षकों से अपने अनुभव, सबूत और सुझाव अ नलाइन साझा करने को कहा। गौरतलब है कि अब तक तक राहुल गांधी कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में चार कार्यक्रम कर चुके हैं। १६ सितंबर को इंदौर में कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और प्रशासन के बीच अनुमति का मुद्दा बना हुआ है। कांग्रेस पिछले ११ दिन से अनुमति के लिए प्रयास कर रही है। इसके लिए कलेक्टर, नगर निगम, पुलिस और इंदौर विकास प्राधिकरण के स्तर पर आवेदन और प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस का कहना है कि अनुमति मिले या नहीं, कार्यक्रम होकर रहेगा।

दस दिन की तबाही के बाद हेतमापुर में धीमा पड़ा कटान, ग्रामीणों को मिली राहत

बाराबंकी। सरयू-घाघरा नदी की बाढ़ और भीषण कटान से करीब दस दिनों से तबाही झेल रहे हेतमापुर गांव के ग्रामीणों को रविवार को कुछ राहत मिली। नदी का जलस्तर घटने के साथ ही कटान की रफ्तार भी काफी धीमी पड़ गई। कटान थमने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, हालांकि नदी का रुख पूरी तरह शांत नहीं होने से उनकी चिंता बरकरार है। प्रशासन और बाढ़ खंड की टीम में प्रभावित क्षेत्र में निगरानी के साथ कटानरोधी कार्य में जुटी हैं। पिछले दस दिनों में नदी की धारा गांव की ओर बढ़ने से खेत, फसल और

कई ग्रामीणों के आशियाने इसकी चपेट में आ चुके हैं। कटान तेज होने पर कई परिवारों को अपने



हाथों से घर गिराकर ईंट और गृहस्थी का सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। ग्रामीणों के मुताबिक, नदी इतनी तेजी से जमीन काट रही थी कि देखते ही देखते

खेतों का बड़ा हिस्सा धारा में समा गया। सुंदरनगर, कोडरी, ललपुरवा और बाबापुरवा समेत आसपास के गांवों में भी भय का माहौल बना रहा। कई परिवार सामान सड़क किनारे, बांध पर या रिश्तेदारों के घर पहुंचा चुके हैं। कटान की चपेट में आने से धार्मिक स्थलों पर भी खतरा मंडरा रहा है। बाबा नारायण दास की समाधि व मंदिर समेत अन्य स्थलों को बचाने के लिए बाढ़ खंड की ओर से कटानरोधी कार्य कराया जा रहा है। रविवार को जलस्तर घटने से फिलहाल स्थिति में सुधार हुआ है।

थाने के अंदर ही भिड़े सिपाही, सीसीटीवी फुटेज सामने आते ही दोनों पर कार्रवाई

बाराबंकी। अनुशासित माने जाने वाले पुलिस विभाग से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज वीडियो हैरान करने वाला है। जिले के बड्डपुर थाने के भीतर दो सिपाहियों के बीच जमकर मारपीट हुई। खबर एसपी तक पहुंची तो दोनों को लाइन हाजिर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार यह फुटेज करीब बीस दिन पुराना व बड्डपुर थाना कार्यालय के भीतर का

है। यह वीडियो सामने आते ही विभाग में हड़कंप मच गया। वीडियो के अनुसार यहां तैनात एक सिपाही कार्यालय में सीट पर बैठे एक सिपाही तक पहुंचता है और अचानक उसे जमीन पर गिराकर मारना शुरू कर देता है। दोनों के बीच देर तक हाथापाई हुई। वहां मौजूद दूसरे कर्मियों ने इन्हे छुड़ाकर अलग किया। इसकी खबर पुलिस

अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय तक पहुंची तो उन्होंने दोनों सिपाहियों हरि बाबू व अमरीश कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। यह भी बता दें कि दोनों सिपाहियों को यहां से अन्यत्र स्थानांतरित भी किया जा चुका था। थानाध्यक्ष मनोज सोनकर के अनुसार दोनों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

४६ शिक्षण संस्थानों में छात्रवृत्ति घोटाले की जांच तेज, वांछित आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश में संतकबीरनगर जिले में भारत सरकार द्वारा संचालित अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना में ४६ शिक्षण संस्थानों में ३.२५ करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति वितरण में मिली प्रथम दृष्टया गड़बड़ी और वित्तीय अनियमितता के मामले में कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने यहां बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान देवव्रत चौधरी पुत्र सर्वजीत निवासी तिलठा, थाना

महुली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे तिलठा से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की ओर से भारत सरकार की अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष २०२१-२२ और २०२२-२३ में संदिग्ध शिक्षण संस्थानों एवं छात्र-छात्राओं के संबंध में प्राप्त निर्देशों के क्रम में जनपद की संदिग्ध शिक्षण संस्थाओं का निरीक्षण और सत्यापन कराया गया था। सत्यापन के दौरान जिले की ४६ शिक्षण संस्थाओं में कुल ३ करोड़ २५ लाख ६६ हजार ६६० रुपये की छात्रवृत्ति

के वितरण में प्रथम पट्ट्या व्यापक वित्तीय अनियमितता सामने आई। मामले में संबंधित शिक्षण संस्थाओं, इंस्टीट्यूट नोडल अफिसर, हेड अफ इंस्टीट्यूट तथा अनियमितताओं में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई के लिए कोतवाली खलीलाबाद में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसी मामले में पुलिस द्वारा लगातार विवेचनात्मक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के क्रम में वांछित आरोपी देवव्रत चौधरी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया।

बाजार से लौट रही महिला लापता, मगरमच्छ के हमले की आशंकाय सामान बरामद

लखीमपुर खीरी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र धौरहरा से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। बाजार से सब्जी खरीदकर लौट रही एक महिला को कथित तौर पर मगरमच्छ द्वारा शिकार बनाने का शोर मचा है। महिला लापता है, जबकि उनका सामान बरामद हो गया है। मगरमच्छ के हमले की आशंका के बीच पुलिस और प्रशासन की टीम जांच में जुटी हैं। उधर, घटना के बाद से इलाके में दहशत का आलम है। धौरहफरा के टपरी काफारा गांव की घटना है। गुड्डू कोरी की पत्नी करीब ५५ वर्षीय गंगा देवी शनिवार को कफारा के बाजार गई थीं। शाम करीब छह बजे के आसपास सब्जी लेकर घर लौट रही थीं। इस बीच वह लापता हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक रास्ते खेतों से होकर गुजरता है, जहां पानी भरा है। पानी में मगरमच्छों की मौजूदगी बनी है। ग्रामीणों को आशंका है कि मगरमच्छ ने गंगा देवी पर हमला कर दिया। उन्हें दबोचकर बुढ़िया नाले की ओर खींच ले गया। बहरहाल, शनिवार की रात और फिर रविवार दिनभर उनकी खोजबीन जारी रही, लेकिन



अभी कोई सुराग नहीं लगा है। रविवार को ग्रामीणों को उनका सब्जी से भरा थैला और कपड़े मिले हैं। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटनास्थल का दौरा किया। महिला की तलाश जारी है।

ग्रामीणों की आशंका को देखते हुए नाले और आसपास के जलभराव वाले क्षेत्रों में खोजबीन चल रही है। घटना के बाद कफारा और आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। कथित रूप से मगरमच्छ के हमले के भय से ग्रामीण सहमे हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं हो सका है कि महिला को मगरमच्छ ने शिकार बनाया या फिर कोई और हादसा हुआ है। मगरमच्छ के हमले की चर्चा सिर्फ ग्रामीणों के बीच ही है। पुलिस सभी पहलुओं पर मामले की जांच कर रही है।

बैंक हड़ताल से कामकाज प्रभावित

नई दिल्ली। देश भर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के कारण बैंकिंग का कामकाज प्रभावित हुआ। पांच दिन के कामकाजी हफ्ते सहित कई और मांगों को लेकर बैंक कर्मचारियों ने शुक्रवार को हड़ताल की थी। इस हड़ताल के

रविवार होने के कारण सभी बैंक बंद रहेंगे। तीन दिन की छुट्टी के बाद बैंक सोमवार को खुलेंगे। बैंकों ने हड़ताल से पहले ही अपने ग्राहकों को बता दिया था कि हड़ताल की वजह से ब्रांच स्तर की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि,



कारण भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और यूनियन बैंक सहित देश भर के सरकारी और कुछ निजी बैंक शुक्रवार को बंद रहे। बैंकों में कामकाज ठप रहने से चेक क्लीयरेंस, नकद जमा और निकासी, एफडी रिन्यूअल और सरकारी खजाने से जुड़े काम पूरी तरह बंद रहे। असल में यूनाइटेड फोरम अफ बैंक यूनियंस ने दो साल से अटकी फाइव डे वर्किंग की मांग को लेकर शुक्रवार को एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया था। इस हड़ताल के कारण ११ सितंबर को बैंक बंद रहे। अब १२ सितंबर को महीने का दूसरा शनिवार और १३ सितंबर को

इस दौरान यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाएं चालू रहेंगी। बैंक कर्मचारियों के संघ का कहना है कि आठ मार्च २०२४ को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन यानी आईबीए के साथ १२वें दोपक्षीय समझौते और नौवें ज इंटर नोट पर हस्ताक्षर हुए थे। इसमें फाइव डे बैंकिंग लागू करने पर सहमति बनी थी। इसके तहत कर्मचारी सोमवार से शुक्रवार तक रोज ४० मिनट ज्यादा काम करेंगे। आईबीए ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देकर केंद्र सरकार के पास भेजा था। दो साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी वित्त मंत्रालय से इसे मंजूरी नहीं मिली है।

मोदी ने यूएई, मलेशिया, वियतनाम और इथियोपिया के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मलेशिया, वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और इथियोपिया के नेताओं के साथ शनिवार को द्विपक्षीय बैठकें कीं जिनमें महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रों समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। ये बैठकें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर हुईं। प्रधानमंत्री मोदी ने अबू धाबी के युवराज शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ वार्ता में पश्चिम एशिया की समग्र स्थिति और भारत-यूएई रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के कदमों पर चर्चा की। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा रक्षा, कृत्रिम मेधा (एआई), अंतरिक्ष, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और संपर्क के क्षेत्रों में हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के इस दौर में मजबूत भारत-यूएई संबंध स्थिरता, समृद्धि और शांति का प्रतीक है। मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर बिन इब्राहिम ने अपनी बैठक में व्यापार एवं निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की। इब्राहिम ने मोदी को मलेशिया के सबाह प्रांत के कोटा किनाबालू में

भारत का महावाणिज्य दूतावास स्थापित करने पर अपने देश की सहमति से अवगत कराया। विदेश मंत्रालय ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान)-भारत संबंधों को मजबूत करने में मलेशिया के निरंतर सहयोग की सराहना की। दोनों नेताओं ने साझा हित



से जुड़े प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-मलेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मोदी और वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के बीच बैठक में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा इस बैठक से दोनों नेताओं को उन द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा करने का अवसर मिला जिन्हें 'उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने साझा महत्व के विभिन्न क्षेत्रीय

और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया तथा अपनी साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय ने कहा भारत और वियतनाम के बीच साझा सभ्यतागत विरासत, आपसी विश्वास और समझ पर आधारित पुरानी मित्रता है। वियतनाम भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक प्रमुख स्तंभ और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के व्यापक जुड़ाव में महत्वपूर्ण साझेदार है। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के साथ मोदी की वार्ता भी रक्षा और व्यापार समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार देने संबंधी कदमों पर केंद्रित रही। विदेश मंत्रालय ने कहा दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से चर्चा की। उन्होंने आर्थिक सहयोग, रक्षा साझेदारी और क्षमता निर्माण समेत प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। यह बैठक पिछले वर्ष दिसंबर में मोदी की अदीस अबाबा यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति को आगे बढ़ाने की दिशा में हुई। मंत्रालय ने कहा दोनों नेताओं ने साझा हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने बहुपक्षीय मंचों पर निकट सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: शी चिनफिंग सात साल बाद भारत आए

नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शनिवार को नई दिल्ली की दो दिवसीय यात्रा शुरू की। यह पिछले सात वर्ष में उनकी पहली भारत यात्रा है और इसे व्यापार एवं निवेश संबंधों के विस्तार के जरिये द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार शाम शी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि दोनों

पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य काई ची और सीपीसी केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य एवं विदेश मंत्री वांग यी भी शामिल हैं। शी की यात्रा संबंधी जानकारीयां रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि यह यात्रा पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण तनावपूर्ण हुए भारत-चीन संबंधों को और सामान्य बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। दोनों देशों ने पूर्वी लद्दाख में साढ़े चार साल से अधिक समय तक रहे सैन्य गतिरोध के कारण



पक्ष द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे और आपसी संपर्क बढ़ाने के लिए नए कदम उठाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। शी की इस यात्रा से पहले दोनों देशों के बीच हाल में कई उच्चस्तरीय वार्ताएं हुई हैं। इनमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता भी शामिल है। हालांकि, अरुणाचल प्रदेश सेक्टर में चीन के आक्रामक सैन्य रुख को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने दिल्ली हवाई अड्डे पर शी की अगवानी की। इस दौरान सांस्कृतिक कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर चीन के राष्ट्रपति का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शी का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर कहा सहयोग को आगे बढ़ाने और अधिक संतुलित, प्रतिनिधित्वपूर्ण एवं बहुध्रुवीय विश्व के निर्माण में योगदान देने की दिशा में ब्रिक्स लगातार आगे बढ़ रहा है तथा ऐसे में हमें रचनात्मक चर्चा होने की उम्मीद है" शी के प्रतिनिधि मंडल में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के

बिगड़े संबंधों को सुधारने के लिए पिछले कुछ महीनों में विश्वास बहाली के कई कदम उठाए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मोदी और शी के बीच वार्ता में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर समग्र स्थिति की समीक्षा किए जाने तथा व्यापार एवं निवेश संबंधों के विस्तार समेत द्विपक्षीय संबंधों को और सामान्य बनाने के उपाय तलाशे जाने की उम्मीद है। दोनों नेताओं के बीच बैठक शाम छह बजे निर्धारित है। मोदी और शी ने पिछले साल 31 अगस्त को चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर व्यापक मुद्दों पर वार्ता की थी। डोभाल ने पिछले महीने के अंत में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ विशेष प्रतिनिधि (एसआर) स्तर की वार्ता की थी। इसमें सीमा निर्धारण, सीमा पार सहयोग से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने और एलएसी पर शांति बनाए रखने पर मुख्य रूप से चर्चा हुई थी। डोभाल और वांग दोनों सीमा वार्ता तंत्र के लिए नामित विशेष प्रतिनिधि हैं। भारत और चीन के बीच 3,8८८ किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़े विवाद का व्यापक समाधान तलाशने के लिए यह तंत्र 2003 में स्थापित किया गया था। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने शुक्रवार को कहा चीन दोनों नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन के अनुरूप भारत के साथ मिलकर काम करेगा, द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखेगा, संवाद बढ़ाएगा, सहयोग मजबूत करेगा, मतभेदों का उचित ढंग से समाधान करेगा तथा अच्छे पड़ोसियों की तरह मित्र और एक-दूसरे की सफलता में सहयोग करने वाला साझेदार बनेगा।

भूस्खलन से केदारनाथ का रास्ता बंद

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश और बाढ़ से जनजीवन प्रभावित हुआ है। उत्तराखंड के केदारनाथ में शुक्रवार को बादल फट गया, जिसके बाद भूस्खलन हुआ। पत्थर के बड़े बड़े टुकड़े गिरने से केदारनाथ का पैदल मार्ग बंद हो गया है। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से गंगा और यमुना सहति 90 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। इससे 2६ जिले बाढ़ की चपेट में हैं। उत्तर प्रदेश में बाढ़ से पांच लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। मिर्जापुर में एक पुल डूब गया तो फर्रुखाबाद में हाईवे डूब गया है। उधर, बिहार में आठ नदियां खतरे

के निशान से ऊपर बह रही हैं। इससे 9५ जिलों में बाढ़ की स्थिति है, जिससे करीब ढाई हजार गांवों में करीब ५0 लाख लोग प्रभावित हैं। बताया गया है कि करीब 30 हजार लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। शुक्रवार को बताया गया कि गंगा और उसकी कई सहायक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इससे कटाव और तटबंध टूटने की घटनाएं हो रही हैं। पूर्वी राज्यों की बात करें तो ओडिशा में भी शुक्रवार को कई इलाकों में बारिश हुई है। भुवनेश्वर में शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण दक्षिणी और पश्चिमी ओडिशा में

भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य के छह जिलों पर बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। 2३ अन्य जगहों पर भी भारी बारिश हुई। कालाहांडी जिले के गोलामुंडा में सबसे ज्यादा 9६ सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। मध्य प्रदेश में तीन दिन के ब्रेक के बाद मानसूनी सिस्टम फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को राज्य के 92 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट था। गुरुवार रात से ही भोपाल, नर्मदापुरम और विदिशा में बारिश शुरू हो गई। दमोह में बाढ़ के हालात हैं और कई कॉलोनियों में पानी भर गया है।

बिहार में 44 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित

पटना/नई दिल्ली। बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। राज्य की लगभग सारी बड़ी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे कम से कम 9४ जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। राज्य के ४४ लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। उनको राहत पहुंचाने का अभियान लगातार चल रहा है। पांच सौ से ज्यादा सामुदायिक

किचेन चल रहे हैं, जहां बाढ़ प्रभावित के लिए भोजन बनाया जा रहा है। बिहार में बाढ़ प्रभावित जिलों के पांच हजार से ज्यादा स्कूल बाढ़ में डूबने के चलते बंद किए गए हैं। राज्य में गंगा, कोसी और गंडक सहित लगभग सभी बड़ी नदियां उफान पर हैं। इनके किनारे के कई सौ श्मशान घाट डूबे हैं, जिसके चलते अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो

रही है। उधर उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। वहां 2६ जिलों में बाढ़ से चार लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बरेली से लेकर बाराबंकी तक बाढ़ के पानी से दर्जनों मकान डूबे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ गया है। बताया गया है कि अगले तीन दिन तेज बारिश की संभावना नहीं है।

हालांकि राजस्थान में 99 सितंबर से बारिश शुरू होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने गुजरात में भी 92 सितंबर से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वड़ोदरा समेत दक्षिण गुजरात के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, नवसारी, वलसाड और डांग में 9३ सितंबर से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

गणेश चतुर्थ पर जगह-जगह बैठाये गये विनायक श्रीगणेश जी और हुआ पूजन

(विश्वकांत त्रिपाठी/केके शुक्ला)
पलिया कलां लखीमपुर खीरी। 'गणेश उत्सव के उपलक्ष में पलिया के श्री राम जानकी ठाकुरद्वारा मंदिर में गणेश उत्सव पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बड़े श्रद्धा विश्वास के साथ गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। सोमवार प्रातः १०:०० बजे विनायक श्रीगणेश जी स्टेशन रोड स्थित श्री रामलीला बालिका विद्यालय परिसर से सैकड़ों भक्तों की मौजूदगी में सुसज्जित वाहन में सवार होने से पूर्व श्रीरामलीला कमेटी अध्यक्ष चौधरी तेज पाल सिंह और कमेटी के पदाधिकारियों के पंचोपचार पूजन अर्चन कर श्रद्धा और भक्ति के साथ शोभा यात्रा निकाल कर उत्सव स्थल श्री राम जानकी ठाकुरद्वारा मंदिर को निकाले गये जहां विधि विधान से ज्योतिर्विद आचार्य पंडित

वेद प्रकाश मिश्रा व्यास जी व उनकी सात सदस्यी पुरोहित टीम ने षोडशोपचार पूजन कर गणेश उत्सव का शुभारंभ किया जिसका संयोजन श्री रामलीला कमेटी के तत्वावधान में किया गया। कमेटी ने जानकारी देते हुए बताया कि १६ सितंबर शनिवार को स्थानीय शारदा नदी में बाबा का विसर्जन करा रामलीला ग्राउंड में विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा भंडारे में नगर तथा क्षेत्रवासियों से पहुंचने की अपील की गई है। इस अवसर पर मंदिर परिसर में मुख्य यजमान अतीश गुप्ता, शिवमंगल गुप्ता, अस्वनी मिश्रा, श्रीराम लीला मेला कमेटी से उपाध्यक्ष गौरव बंसल, मंत्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, परमेश्वर दयाल गुप्ता, मनोज मिश्र उमाशंकर मिश्र, समाज सेवी आलोक मिश्रा, रवी

गुप्ता, व्यापार मंडल महामंत्री संदीप बंसल, श्री रामलीला बालिका इंटर कलेज प्रिंसिपल डा. निर्मला, मृदुला अस्थाना, निरंकार प्रसाद बरनवाल, राकेश मिश्रा, पवन अवस्थी, शेरा वर्मा, राकेश गुप्ता पप्पू, मास्टर राजेश गुप्ता, संजीव कुमार गुप्ता 'डब्लू' कमलेश राय, राजेश कोहली, सहित सैकड़ों नगर व क्षेत्रवासी तथा आगे-आगे कथा व्यास पंडित दीपक शास्त्री अपनी पांच सदस्य टीम श्रीमद् भागवत पुराण सहित शोभायात्रा रहे वहीं यात्रा में प्रमुख रूप से तेज महिंद्रा सरस्वती विद्यालय आचार्य वीरेंद्र बाजपेयी के निर्देशन में बालक बैण्ड टीम, बलदेव वैदिक इंटर कॉलेज बैण्ड, एनसीसी, राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र टीम, स्काउट गाइड सहित नगर के गणमान्य नागरिक, जिला अध्यक्ष भारतीय

जनता पार्टी अरविंद गुप्ता, नगर मंत्री विजय गुप्ता, नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष अनूप मिश्रा, गौरव गुप्ता, राजेश भारतीय, दीपक तलवार, रवी गुप्ता, आशीष अग्निहोत्री, विशाल अवस्थी, सक्षम शुक्ला, अशोक कुमार गुप्ता, 'आचार्य पंडित वेद प्रकाश मिश्रा व्यास जी' ने बताया पुराणों के अनुसार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को विघ्नविनाशक श्री गणेश जी का जन्म हुआ था, मध्य तथा पूर्वी भारत में गणेश चतुर्थी पर सनातनी हिन्दू धर्म में श्रीगणेशजी की पूजा प्रत्येक पक्ष की चौथ की जाती है। कई प्रमुख जगहों पर श्रीगणेश की बड़ी प्रतिमा स्थापित की जाती है, लेकिन मध्य तथा पूर्वी भारत में विसर्जन की प्रथा नहीं थी, विसर्जन की प्रथा पुणे और महाराष्ट्र के कलचर की मानी जाती है, भाद्र

शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को प्रतिमा स्थापित कर षोडशोपचार (सोलह तरह) से प्रतिमा का नौ दिनों तक पूजन किया जाता है। बड़ी संख्या में आस पास के लोग दर्शन करने पहुंचते हैं। कहीं-कहीं नौ दिन बाद गाजो बाजों के साथ गणेश प्रतिमा को किसी तालाब, नदी, महासागर इत्यादि जल में विसर्जित किया जाता है। गणेशजी को लंबोदर के नाम से भी जाना जाता है। विनायक विघ्नहर्ता श्री गणेश जी माता पार्वती और शिव की संतान हैं ऐसा पुराणों में वर्णित है तथा सनातनिक परंपरा में गणेश महाराज को प्रथम पूज्य बताया गया है गणेश बुद्धि के दाता कह जाते हैं, प्रायः सभी प्रकार की पूजाएं पृथ्वी पूजन तथा गणेश पूजन से ही प्रारंभ की जाती हैं।

17 सितम्बर को भगवान विश्वकर्मा जयंती का आयोजन

लखीमपुर-खीरी। मनरेगा मजदूर मिस्त्री महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नेता ऋषि संतोष कुमार शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी १७ सितंबर को भगवान विश्वकर्मा की जयंती सुबह ८ बजे से सायंकाल ५ बजे तक सदर ब्लॉक लखीमपुर के सभागार में धूमधाम से मनाई जाएगी। समारोह में भारत के ४० करोड़ मजदूर मिस्त्रियों, १६ करोड़ वैज्ञानिक विश्वकर्मा, १४ करोड़ किसानों, भारत के ३५ लाख ग्राम पंचायत सदस्यों, युवा व वृद्ध अधिवक्ता, युवा व वृद्ध पत्रकारों, खुदरा व्यापारियों, अतिपिछड़े, अतिदलितों ऐसी ५० जातियों के लोग जो भारत में अलग थलग पड़े हैं विश्वकर्मा समाज के बड़ई,

लोहार, सुनार, ठठेरा शिल्पियों, पुताई रंगाई राजगीर मिस्त्रियों की दीनदशा पर गहन विचार विमर्श किया जाएगा २५ सूत्रीय मांगों का

सभा अध्यक्ष भारत सरकार नई दिल्ली, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नई दिल्ली, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मुख्यमंत्री योगी



ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से दिन के २ बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट, राज्य

आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश सरकार को सौंपा जाएगा। समारोह में अतिथि के रूप में जिला अधिकारी अंजनी कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार, पूर्व

भाजपा अध्यक्ष शरद बाजपेई, विधायक योगेश वर्मा, विधायक अमन गिरी, विधायक शशांक वर्मा, रोमी साहनी, उत्कर्ष वर्मा सांसद खीरी, विनोद कुमार अवस्थी विधायक, विजय शुक्ला रिकू अध्यक्ष नगर पालिका गोला, सुरजन लाल वर्मा पूर्व राज्यमंत्री, रवि प्रकाश वर्मा पूर्व सांसद, प्रहलाद पटेल जिला अध्यक्ष खीरी, रामपाल सिंह जिला अध्यक्ष सपा व कई दलों के नेता व अधिकारी, पत्रकार बंधुओं को आमंत्रित किया गया है तथा समारोह में मजदूर मिस्त्रियों विश्वकर्माओं किसानों से अपील कर बड़ी संख्या में समय से उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। विश्वकर्मा जयंती समारोह में भंडारे का भी आयोजन किया गया है सुबह ८ बजे से १० बजे

तक भगवान विश्वकर्मा का हवन पूजन, ११ बजे से १२ बजे तक प्रसाद वितरण, १२ बजे से अतिथिगणों का आगमन २ बजे तक विचार विमर्श किया जाएगा। भारत की ठेकेदारी प्रथा भारत के ४० करोड़ मजदूर मिस्त्रियों की सभी विभागों में पोस्टिंग कराने, भारत की सभी पंचायतों और नगरों में हाईवे रोड बनवाने, भारत की सभी ग्राम पंचायतों एवं मजरे को बस सुविधा से जोड़ा जाए। पूरे भारत की अवधि एक हजार की आबादी पर २ सफाईकर्मी, पोस्टिंग की जाए एवं ग्राम पंचायतों में माली किस्म के लोगों की पोस्टिंग कराने, भारत की सभी ग्राम पंचायतों में न्यायालय बनाने की माँग का ज्ञापन २ बजे जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा जाएगा।

गोंडा जाने से रोके

बाराबंकी। गोंडा जा रहे आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर रावण के काफिले का सामना उनकी गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी के समर्थकों से हो गया। दोनों पक्षों में तनाव तो उपजा ही साथ ही जूते चप्पल भी चले। नाराज सांसद की सीओ से बहस हुई फिर वह दो घंटे तक सड़क पर ही बैठे रहे। जमकर नारेबाजी के बीच फिर हुई बातचीत के बाद उनका काफिला बाराबंकी वापस हुआ। गोंडा में बर्तन व्यापारी हत्याकांड को लेकर सियासी उबाल जारी है। रविवार को नगीना सांसद चंद्रशेखर रावण भी काफिले के साथ गोंडा जा रहे थे। पुलिस ने बुढ़वल चौराहे के स्टेशन मोड़ पर बैरिकेडिंग लगाकर काफिला रोक दिया। सांसद को रोके जाने की सूचना पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान रोहिणी घावरी के समर्थन में सैकड़ों लोग बैनर-पोस्टर लेकर न्याय की मांग करते हुए वहां पहुंच गए। दोनों पक्षों के आमने-सामने

गए चंद्रशेखर आजाद, समर्थकों संग धरने पर बैठे रोहिणी

आने से मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस दौरान दोनों ओर से जूते-चप्पल भी फेंके गए। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस प्रशासन ने सांसद के काफिले को स्टेशन मार्ग से बुढ़वल स्थित अतिथिगृह ले जाने का प्रयास किया, लेकिन चंद्रशेखर अपने समर्थकों के साथ स्टेशन मार्ग पर ही बैठ गए और नारेबाजी करते हुए धरना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे समर्थकों की भीड़ बढ़ती गई। करीब दो घंटे तक चले धरना-प्रदर्शन में जिला प्रशासन, पुलिस और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। पुलिस अधिकारियों ने सांसद और पार्टी कार्यकर्ताओं से वार्ता कर प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया। काफी देर चली बातचीत के बाद धरना समाप्त हुआ। इसके बाद सांसद के काफिले को वापस भेज दिया गया। रामनगर गोंडा जाने से रोके जाने के विरोध में धरने पर बैठे सांसद चंद्रशेखर

आजाद ने पुलिस प्रशासन पर अभद्रता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक पुलिसकर्मी ने डंडा लगाकर उन्हें धकेलने का प्रयास किया। संबंधित पुलिसकर्मी को बुलाकर माफी मंगवाने की मांग करते

हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री आवास पर जाकर धरना-प्रदर्शन करेंगे। प्रशासन ने सांसद के आरोपों को खारिज करते हुए इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। पत्रकारों से बातचीत में सांसद ने बर्तन व्यापारी विनोद साहनी हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने, मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और दोषियों को कड़ी सजा



दिलाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार हत्याकांड में शामिल लोगों को बचा रही है, इसी कारण अभी तक सभी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। रोहिणी समर्थकों की बात छेड़ने पर वह बोले कि यह सब भाजपा का किया धरा है। रामनगर से वापस लौट रहे नगीना सांसद चंद्रशेखर को बाराबंकी शहर की सीमा पर कोतवाली पुलिस ने रोक लिया। आरोप अभद्रता के लगे जिसके बाद सांसद अपने समर्थकों के साथ पैदल ही एसपी कार्यालय की ओर चल दिए। कार्यालय में एसपी दक्षिणी रितेश सिंह व सीओ रामनगर गरिमा पंत से घंटों बातचीत चली। इस दौरान सीओ रामनगर में रोहिणी समर्थकों के प्रदर्शन पर अपनी बात रखती रहीं, तो सांसद ने असंतोष जाहिर किया। वहीं शहर में आते समय पुलिस के रवैये से नाराज सांसद ने माफी मांगने की बात रखी। वह देर रात तक एसपी कार्यालय में समर्थकों के साथ जमे रहे। बातचीत

समर्थकों से भिड़ंत

का नतीजा जानने के लिए संपर्क के प्रयास पर एसपी व सीओ के मोबाइल पर बेल जाती रही हालांकि सीओ रामनगर के हमराही ने सांसद के लखनऊ निकल जाने की पुष्टि की। एक ओर सांसद चंद्रशेखर रावण का पुलिस से उलझना जारी था तो दूसरी तरफ इस मौके का फायदा सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने उठा लिया। वह अपने वाहन से इस तरह गोण्डा के लिए निकलीं कि किसी को भनक तक नहीं लग सकी। जबकि कई दिनों से चल रही सियासी हलचल के मद्देनजर पुलिस ने तगड़ी घेराबंदी कर रखी थी। जरा सा इनपुट मिलते ही पुलिस सक्रिय हो जाती। एक दिन पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तो दो दिन पहले सपा के प्रतिनिधिमंडल को यहां से बैरंग वापस लौटाया जा चुका है। इसके बावजूद विधायक पल्लवी निकलने में इसलिए कामयाब हो गई क्योंकि अधिकांश पुलिस बल का ध्यान चंद्रशेखर रावण की ओर था।

‘अपने दिमाग से काम नहीं कर रहे आकाश’, मायावती ने साधा भतीजे पर निशाना

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने हाल ही में पार्टी से निष्कासित किए गए अपने भतीजे आकाश आनंद पर रविवार को आरोप लगाया कि वह अब भी अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के बहकावे में आकर काम कर रहे हैं। मायावती ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि ऐसा लगता है कि आकाश अब भी अपने दिमाग से काम नहीं कर रहे हैं। बसपा प्रमुख ने कहा, श्बसपा से निकले गए लोगों ने पिछले एक-दो दिनों में पार्टी के कार्यकर्ताओं में यह भ्रम फैलाया है कि बहन जी (मायावती)

काफी बीमार हैं और इसीलिए वह मीडिया में न आकर बड़े-बड़े मामलों के बारे में भी सीधे ट्वीट के जरिए ही लोगों को जानकारी दे रही हैं। उन्होंने कहा कि आकाश ने पार्टी प्रभारी आलोक कुमार को शनिवार रात लगभग १० बजे फोन कर पूछा कि क्या श्बहन जीश बीमार हैं? मायावती ने कहा कि इस पर आलोक कुमार ने आकाश को बताया कि बसपा प्रमुख बिल्कुल ठीक हैं और अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि आकाश ने कुमार से कहा कि वह उनके फोन करने के बारे में मायावती को न बताएं। उत्तर प्रदेश की पूर्व

मुख्यमंत्री ने कहा, “यह भी काफी गंभीरता से सोचने की बात है। इस मामले में आकाश की मंशा सही भी हो सकती है और गलत भी, लेकिन ऐसा लगता है कि आकाश अब भी अपने दिमाग से काम नहीं कर रहा है, बल्कि (अपने ससुर) अशोक सिद्धार्थ के दिमाग से ही काम कर रहा है।” मायावती ने बसपा कार्यकर्ताओं को भी अफवाहों के प्रति सचेत किया। बसपा प्रमुख ने गत तीन सितंबर को आकाश को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटा दिया था और इसके बाद १० सितंबर को उन्हें पार्टी से निष्कासित भी कर

दिया था। हालांकि, मायावती ने यह भी दावा किया कि उन्होंने हाल ही में जो भी कड़े फैसले लिए हैं, उनसे पार्टी और बहुजन आंदोलन को नुकसान के बजाय काफी फायदा ही हो रहा है और इससे डॉ. भीमराव आंबेडकर और



बसपा के संस्थापक काशीराम का अधूरा रहा कारवां श्काफी तेजीश से गति भी पकड़ रहा है। मायावती ने तीन सितंबर को लखनऊ में हुई बसपा की अखिल भारतीय बैठक में लिए गए निर्णयों का जिक्र करते हुए बताया कि पार्टी से जुड़े कार्यों को युद्ध स्तर पर गति देने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर बसपा को तीन सेक्टर में बांटा गया है, जिसके तहत सेक्टर एक में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को शामिल किया गया है तथा वह खुद सीधे तौर पर इसके कार्यों की निगरानी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के बाकी राज्यों में जहां पार्टी का संगठन है, उन्हें दो सेक्टर में बांटकर पार्टी के वरिष्ठ तथा जिम्मेदार लोगों को अलग से केंद्रीय सेक्टर प्रभारी भी बना दिया गया है, जिनके कार्यों की रिपोर्ट वह पहले की ही तरह बीच-बीच में लखनऊ में भी लेती रहेंगी।

मायावती ने बताया कि पार्टी में मुख्य सेक्टर प्रभारी का पद अब समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब सेक्टरों के केंद्रीय प्रभारियों के कार्यों की सीधी रिपोर्ट बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार पार्टी प्रमुख को सौंपेंगे। आनंद कुमार मायावती के भाई और आकाश आनंद के पिता हैं। मायावती ने मानदेय बढ़ाने और संविदा के बजाय पक्की नौकरी देने समेत विभिन्न मांगों को लेकर राजधानी लखनऊ में जारी ५८ हजार पंचायत सहायकों के आंदोलन का भी जिक्र करते हुए कहा कि सरकार उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करे तो बेहतर होगा।

शासनादेश के एक साल बाद भी वेतन बढ़ोतरी का इंतजार, आउटसोर्स कर्मियों में असमंजस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को नया वेतनमान बिना आदेश के नहीं मिलेगा। आउटसोर्स सेवा निगम अथवा सचिवालय प्रशासन की तरफ से जब यह आदेश विभागों को भेजा जायेगा, तभी आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन मिलेगा। यह जानकारी आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी संघ के महामंत्री सच्चिता नन्द मिश्रा ने दी है। संघ ने इस समस्या के निदान के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है। दरअसल, प्रदेश के लाखों आउटसोर्स कर्मियों की समस्याओं को देखते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अहम कदम उठाया। उनके निर्देश पर साल २०२५ में आउटसोर्स कर्मियों का वेतन निर्धारण और सेवा निगम का गठन हुआ। वहीं २ सितंबर २०२६ को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निगम का शुभारंभ

किया। इतना ही नहीं वेतन का चेक भी कुछ कर्मियों को वितरित किया। इसके बाद करीब १० दिन का समय बीत जाने के बाद भी अभी तक प्रबंध निदेशक उत्तर



प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम व सचिवालय प्रशासन की ओर से विभागों को वेतन बढ़ोत्तरी का आदेश नहीं भेजा गया, जिससे विभाग मे असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बिना आदेश के तमाम विभागों में तैनात कर्मियों को नया वेतनमान नहीं मिलेगा। आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रितेश मल्ल व महामंत्री सच्चिता नन्द मिश्रा ने

बताया कि मुख्यमंत्री और निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र लिखकर आदेश जारी करने की मांग की गई है। इसके साथ वेतन बढ़ोतरी अक्टूबर २०२५ से दिए जाने की भी शिफारिस की गई है। इसके अलावा महामंत्री सच्चिता नन्द मिश्रा ने पत्र में यह भी कहा है कि वेतन निर्धारण का शासनादेश १६ सितंबर २०२५ को जारी हुआ था, इसलिए वेतन भी उसी समय से मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि विभागों में अभी तक वेतन बढ़ोतरी का आदेश नहीं आने से कर्मचारी काफी असमंजस में हैं, कर्मचारी यह जानना चाहते हैं कि निर्धारण के एक साल बाद भी अभी वेतन मिलेगा या नहीं।

अनुराग कश्यप निर्मित ‘लिटिल थॉमस’ २३ अक्टूबर को होगी रिलीज

मुम्बई। अनुराग कश्यप द निर्मित बच्चों की फिल्म ‘लिटिल थॉमस’ २३ अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में गुलशन देवैया और रसिका दुग्गल मुख्य भूमिकाओं में हैं। कौशल ओझा के निर्देशन में बनी यह फिल्म ६० के दशक के गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की कहानी सात वर्षीय थॉमस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने माता-पिता की इकलौती संतान है और छोटा भाई चाहता है। उसे बताया जाता है कि छोटा भाई पाने के लिए उसके माता-पिता को एक-दूसरे को चूमना होगा। माता-पिता के बीच अक्सर झगड़ा होने के कारण वे ऐसा नहीं करते, जिसके बाद थॉमस उन्हें इसके लिए राजी करने की कोशिश करता है। फिल्म में बाल कलाकार हृदांश पारेख ने थॉमस की भूमिका निभाई है। इसका निर्माण ल्यूमिनोसो पिक्चर्स, सिविक स्टूडियोज, गुड बैड फिल्म्स और रंजन सिंह की पिलप फिल्म्स ने अनुराग कश्यप

के साथ मिलकर किया है। यह फिल्म २००७ में प्रदर्शित एनिमेटेड फिल्म ‘रिटर्न अ फ हनुमान’ के बाद बच्चों के लिए सिनेमा में अनुराग कश्यप की वापसी है। गुलशन देवैया ने फिल्म को अपने करियर की सबसे प्यारी फिल्मों में



से एक बताया। रसिका दुग्गल ने कहा कि यह बच्चों को कम समझदार मानने के बजाय उनके नजरिये को समझते हुए बनाई गई फिल्म है, जिसका आनंद बड़े भी उठा सकते हैं। निर्देशक कौशल ओझा ने कहा कि फिल्म उनके बचपन से प्रेरित है और इसे बनाते समय पूरी टीम ने खूब आनंद लिया। निर्माता रंजन सिंह ने इसे एक सरल, प्यारी और पूरे परिवार के साथ देखने योग्य फिल्म बताया।

‘हनुमान अंश’ के लिए विशाल चतुर्वेदी ने छोड़ी डिजिटल दुनिया

मुम्बई। फिल्म ‘हनुमान अंश’ के लेखक-निर्देशक-निर्माता विशाल चतुर्वेदी ने फिल्म की कहानी लिखने के दौरान खुद को डिजिटल



दुनिया से पूरी तरह दूर कर लिया था। विशाल ने बताया कि उन्होंने कमरे से सभी डिजिटल उपकरण हटा दिए थे और पूरी कहानी पेन और कागज पर लिखी। बाद में लिखे पन्नों की तस्वीरें सहायकों को भेजते थे, जिन्हें डिजिटल रूप में टाइप किया जाता था। उन्होंने

कहा कि फिल्म के पहले श्य को लिखने में करीब ४५ दिन लगे, क्योंकि उनके लिए पहला श्य पूरी कहानी की दिशा तय करता है। पहला श्य तैयार होने के बाद उन्होंने पूरी पटकथा महज १५ से २० दिनों में पूरी कर ली। नीम करोली बाबा के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित ‘हनुमान अंश’ के लिए विशाल ने काफी शोध किया। उन्होंने कहा कि निर्माताओं ने उन्हें बिना जल्दबाजी के अपनी रचनात्मक प्रक्रिया के अनुसार काम करने की पूरी स्वतंत्रता दी। फिल्म के प्रति अपनी भावना व्यक्त करते हुए विशाल ने कहा कि यह उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति और प्रेरणा की कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई

सीतापुर

मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

सुरेश नारायण मिश्र

क्षेत्रीय सम्पादक

सौरभ कुमार, बिहार

मो.09386075289

मो० अरशद

ब्यूरो चीफ

मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन

भातखण्डे संगीत

महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई

UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-

adbhutsamachar@yahoo.in

adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।